दाऊद 3

इस अंतराल में भविष्यवक्ता शमूएल मर गया। और समस्त इस्राएल शोक मनाने लगा।
शमूएल अब परमेश्वर के साथ है। इस्राएल के ऊपर राजा होने के लिए उसी ने मेरा अभिषेक किया। अब मैं उसकी भविष्यवाणी सच होने की प्रतीक्षा में हूँ।
शाऊल की पहुँच से दाऊद लगातार बचा रहा, वह नाबाल नामक एक धनी मनुष्य के समीप ठहरा जिसकी एक हजार बकरियाँ और तीन हजार भेड़ें थी।
यह संदेश कर्मेलवासी नाबाल को दे दो।
तू चिरंजीवी रहे! हमने सुना कि यह ऊन कतरने का समय है। चूँकि मेरे जवानों ने तेरी भेड़ - बकरियों को और तेरे चरवाहों को देखा है, जो कुछ तुझे मिलता है उसे हमारे साथ साझा करके क्या तेरी कृपादृष्टि हम पर हो सकती है?
दाऊद कौन है? आजकल कई दास अपने स्वामियों से दूर हो रहे हैं। जो हमारे लिए काम करते हैं मैं उनके इस भोजन को लेकर किसी को क्यों दूँ जिस मैं नहीं जानता?
इस तरह से कर्मेलवासी ने हमें उत्तर दिया।
उसके केवल अपने जवान और भेड़ बकरियों को ध्यान में रखते हुए इस तरह से मेरी कृपा पर उत्तर दिया है, उसको इसका बदला जरूर मिलेगा।
अपनी तलवारों को बाँध लो!

I शमूएल 25:1-12

I शमूएल 25:14-31

I शमूएल 25:32-44

जीपी वंश से कुछ लोग शाऊल के पास आए।
हमारे पास अच्छी खबर है कि दाऊद हकीला के पहाड़ पर छिपा है।
हमें अब चलना चाहिए -- वह फँस चुका है।
मेरे 3,000 अच्छे जवानों की गिनती कर ले। इस बार उसने फंदा अपनी ही गर्दन में डाल दिया है।
छावनी टूट चुकी है और लोग जाने के लिए तैयार हैं।
हमें ढूँढ़ निकालने के लिए शाऊल और उसके लोगों के लिए यह जंगल एक कठिन स्थान होगा।
भेदियों को बाहर भेजो और मैं पुरुषों के साथ जाऊँगा।
हमारे पास यह खबर है कि शाऊल और उसके 3,000 छाँटे हुए योद्धा हकीला के रास्ते सड़क के किनारे छावनी डाले हैं।
हित्ती अहीमेलेक और योआब के भाई अबीशै को मेरे पास भेजो।
कोई रास्ता नहीं है कि हम आक्रमण कर सकें।
मेरे साथ कौन जाएगा?
मैं जाऊँगा।
आओ चलें।

I शमूएल 26:1-6

परमेश्वर ने नश्चिय तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे हाथों में कर दयिा है।
मैं अपने भाले के एक ही हमले से उसे भूमि पर बेध दूँगा।
नहीं! प्रभु के अभषिक्ति के ऊपर कौन हाथ उठा सकता है और नर्दिोष ठहर सकता है?
मेरे पीछे चलो।
कसिी ने नहीं जाना कि वि कब अंदर आए और कब चले गए क्योंकि परमेश्वर ने उन सबको, यहाँ तक कि सिपािहियों को भी भारी नींद में डाल दयिा।
अब्नेर -- क्या तू मुझे उत्तर नहीं देगा?
वह कौन है?
मुझे पता है कि वह कौन है?

I शमूएल 26:7-14

I शमूएल 26:14-25

परन्तु दाऊद डरने लगा, यह सोचकर कि शाऊल दुबारा अपना मन बदल सकता है।
तो वह देखने लगा कि उसे पलिश्तियों के बीच शरण मिल जाए जो शाऊल और इस्राएल के शत्रु थे।
उसकी दोनों पत्नियाँ अहीनोअम और अबीगैल उसके साथ थीं, भले ही उसकी पहली पत्नी मीकल को उसके पिता राजा शाऊल ने किसी दूसरे मनुष्य को दे दिया था।
दूसरे सिपाहियों के भी अपने परिवार थे।
हे मेरे प्रभु, यह इस्राएल के शत्रुओं का देश है।
शाऊल मुझे यहाँ गत के राजकीय नगर में नहीं ढूँढ़ पाएगा। गत के राजा का पुत्र आकीश, मुझे एक दर्शक देगा।
और गोलियत का वध करनेवाला पलिश्तियों के मध्य रहना चाहता है।
हाँ, लेकिन यहाँ राजकुमार के साथ राजकीय नगर में नहीं।
यह तेरे दास को देश के किसी भी नगर में रहने के लिए सम्मान देगा।
बहुत अच्छा, तू और तेरा घराना सिकलग नगर में जब तक चाहे रह सकता है।

I शमूएल 27:1-7

परन्तु इस नगर से दाऊद ने जंगल के पड़ोसी यहूदा के लोगों के विरुद्ध छापा मारना शुरू किया।
गशूरियों, गिर्ज़ियों और अमालेकियों सभी दाऊद और उसके लोगों के आगे गिर गए।
क्या सभी मारे गए थे?
सब। दोनों पुरुष और स्त्री। हमने कोई गवाह नहीं छोड़े।
अच्छा। वे हमारे बारे में पलिश्तियों को बताने और उन्हें हमारे विरुद्ध करने में पहले होंगे।
तुम और तुम्हारे लोग कहाँ थे?
यहूदा के विभिन्न नगरों के विरुद्ध में।
मैं इस मनुष्य से डरता हूँ। इसने हमारे महान योद्धा को मार डाला और अब हमारे मध्य में रहता है और हम नहीं जानते वह कहाँ यात्रा करता है।
मत डरो। वह उसके लोगों के लिए बहुत ही घिनौना बन गया है कि वह सदा के लिए मेरा दास बने।
परन्तु वास्तव में, इसके विपरीत सही था।
परमेश्वर ने दाऊद को हमारे जंगल के शत्रुओं को हराने के लिए और हमें उनसे बचाने के लिए भेजा है।
वह एक अच्छा अगुवा है और एक बहादुर योद्धा है।

I शमूएल 27:8-12

अब हम शाऊल और उसकी सेना के विरुद्ध लड़ने जा रहे हैं -- मैं उम्मीद करता हूँ कि तू मेरा साथ देगा।
तू खुद देख लेगा कि तेरा दास क्या कर सकता है, राजकुमार आकीश।
मुझे एक अच्छे रक्षक की जरूरत है और तू एक महान योद्धा है -- तू मेरा स्थायी अंगरक्षक बनेगा।
तुम्हें आकर कुछ देखने की जरूरत है ---
पलिश्तियों से घाटी भर गई है।
मुझे प्रभु से पूछना चाहिए।

I शमूएल 28:1-7

परमेश्वर प्रभु मुझे उत्तर देता है कि न तो भविष्यवक्ताओं और न ही ऊरीम और तुम्मीम।
मुझे ज़्यादा सहायता की आवश्यकता है...मेरे लिए एक स्त्री को ढूँढ़ो जो एक ओझा हो कि मैं उससे सलाह लूँ।
परन्तु हे मेरे प्रभु, शमूएल ने पहले ही सभी ओझों और भूत सिद्धि करनेवालों को देश से निकाल दिया था।
परन्तु मैं एक को जानता हूँ।...एन्दोर में एक टोन्हा करने वाली है।
मैं चाहता हूँ कि तू मेरे लिए एक आत्मा से सलाह ले -- जिसका नाम मैं लूँ उसे मेरे लिए ऊपर बुला।
परन्तु तुम्हें पता है कि राजा शाऊल ने सभी ओझों और भूत सिद्धि करनेवालों को देश से निकाल दिया था -- क्या तू मुझे मरवाने के लिए फ़साने की कोशिश कर रहा है?
यहोवा के जीवन की शपथ, तू इसके लिए दण्डित नहीं की जाएगी।
तुम किसे ऊपर लाना चाहते हो?
शमूएल को ऊपर लाओ।
ठीक है !!
तुमने मेरे साथ धोखा क्यों किया? तू तो शाऊल है!
मत डर --- तू क्या देखती है?
एक आत्मा को भूमि से ऊपर आते हुए।
और उसका रूप कैसा है?
एक बूढ़ा मनुष्य बागा पहने हुए --- वह अब आ रहा है।

I शमूएल 28:8-14

I शमूएल 28:14-19

तेरी दासी ने तो तेरी आज्ञा मानी है और जो तूने मुझसे कहा उसे करने के लिए मैंने अपना जीवन खतरे में डाला है।
तुझे मेरी सुननी चाहिए – वापसी की यात्रा के लिए तुझे बल देने हेतु मुझे कुछ भोजन देने दे।
मैं नहीं खाऊँगा।
तुझे अवश्य खाना चाहिए! जिस पर तू चला उसको अधिकतर लोग कभी अनुभव भी नहीं कर सकते।
परन्तु परमेश्वर ने हमें स्पष्ट रीति से बोला है कि मृतक से सलाह न लें...
शाऊल घर वापस लौटा -- परन्तु परमेश्वर के वचन का उल्लंघन करने की पूरी कीमत चुकाने जा रहा था।

I शमूएल 28:25

ये इब्री यहाँ क्या कर रहे हैं?
यह दाऊद और उसके पुरुष हैं। वह मेरे साथ अब एक साल से ज़्यादा समय तक है और मैंने उसमे कोई गलती नहीं पाई।
उसे वापस भेज दो जहाँ तूने उसे नयिुक्त कयिा था!
युद्ध में हमारी ओर पलटकर और हमारे पुरुषों को मारने के द्वारा - उसके स्वामी की कृपा दृष्टपिाने का क्या ही सरल मार्ग है!
क्या यह वही दाऊद नहीं है जसिके वषिय में उन्होंने अपने नृत्य में गाया?
"शाऊल ने हजारों को मारा, और दाऊद ने दस हजारों को मारा"?
प्रभु के जीवन की शपथ मैं तुझसे प्रसन्न हूँ परन्तु सेनापतऔिर मंत्री नहीं चाहते कि तू युद्ध में हमारे साथ जुड़े। वे डरते हैं कि तू हमारे वरिुद्ध होकर शाऊल के साथ मलि जाएगा।
मैं कुछ नहीं कर सकता -- कुशल से जा।
मैंने क्या कयिा है -- मैं क्यों नहीं जा सकता और तुम्हारे शत्रुओं से क्यों लड़ नहीं सकता?
सेनापतियों ने अपना मन बदलना न चाहा – तुझे सुबह जाना चाहए।
हम सकिलग को और अपने घराने को लौटते हैं -- आज हम नहीं लड़ेंगे। लड़ाई में वे हम पर वशि्वास नहीं करते।
सकिलग को -- और हमारे घराने को। लोग इसके लएि आशा कर रहे हैं।

I शमूएल 29:1-10

सिकलग -- यह फूँक दिया गया है।
मेरा घराना!
हमारी पत्नियाँ और बेटियाँ!
अमालेकी -- हमारे प्रिय जनो समेत -- वे सब कुछ ले गए हैं।
उनके पास मेरी दोनों बेटियाँ हैं! और राजा दाऊद, तुम्हारी दोनों पत्नियाँ!
हमारे घराने को असुरक्षित छोड़ने के लिए दाऊद को मार देना चाहिए।
चलो उस पर पथराव करते हैं – उसका जीवन उनके जीवनों के लिए है!
परन्तु जब सैनिक उसे मारने की बात कर रहे थे, दाऊद ने प्रभु को पुकारा और उसने उसमें बल पाया।
एपोद को मेरे पास लाओ।
क्या मैं इस धावा करने वाले दल का पीछा करूँ? क्या मैं उनको पकड़ पाऊँगा?
हाँ, तू उन्हें पकड़ पाएगा और छुड़ाने में सफल हो जाएगा।

हमें यह मिस्री दास मिला है जिस धावा करने वाले दल ने छोड़ दिया है। हमने उसे खाना और पानी दिया - वह बात करने के लिए तैयार है।
तू किसका जन है और कहाँ से है?
मैं एक मिस्री हूँ और एक अमालेकी दास हूँ। जब मैं बीमार हो गया मेरे स्वामी ने मुझे छोड़ दिया।
हमने करेतियों के दक्षिण देश और यहूदा प्रदेश पर चढ़ाई की। और सिकलग को आग लगाकर फूँक दिया।
क्या तू मुझे इस दल तक पहुँचा देगा?
मैं करूँगा परन्तु मुझे शपथ दे कि तू मुझे नहीं मारेगा या मेरे स्वामी के हाथों में नहीं देगा।
मैं शपथ देता हूँ।
दो सौ जवान आगे जाने के लिए बहुत ही थके हुए हैं।
वे यहाँ माल के साथ रुक सकते हैं -- बचे हुए चार सौ जवान अब हमारे साथ जाएँगे!

I शमूएल 30:16-29

अगले दिन...
सब कुछ समाप्त हो गया। पलिश्तियों ने हमें भगा दिया है और अब मेरे बेटे मर गए हैं।
मेरे कष्ट का अंत कर। अपनी तलवार ले और मुझे भोंक दे ऐसा न हो कि पलिश्ती आ जाएँ और मुझे नष्ट करें।
हे राजा शाऊल, मैं नहीं कर सकता, तू परमेश्वर का अभिषिक्त है।
यदि तू यह नहीं करेगा तो मैं खुद करूँगा।
परमेश्वर ने अपना हाथ मुझसे हटा लिया है। मेरा विश्राम अब मृत्यु में मेरे पुत्रों के साथ है।
आहहह
उसका कवच उतार और उस बूढ़े मूर्ख का सिर काट डाल।
उसके कवच को हमारे मंदिर में हमारे देवता को एक भेंट के रूप में रख दे। और उसके शरीर को नगर की दीवार पर सबके लिए एक चिन्ह के रूप में लटका दे।
यद्यपि बची हुई इस्राएली सेना पराजित होकर भाग गई, कुछ गिलादवाले याबेश नगर के शूरवीर रात भर यात्रा किए।
उन्होंने शाऊल और उसके पुत्रों के शव को वापस घर ले जाने के लिए उतारा।
उनके शव को जलाने के बाद उन्होंने उनकी हड्डियों को याबेश में दफनाया और सात दिन तक उपवास किया।
वह हमारा राजा था -- हमें उसका और उसके पुत्रों का सम्मान शोक के साथ करना चाहिए।

तू कहाँ से आया है?
मैं एक अमालेकी हूँ और इस्राएलियों की छावनी से बचकर आया हूँ। इस्राएली सेना पलिश्तियों के सामने से भाग गई -- शाऊल और उसका पुत्र योनातान दोनों मर गए।
तुझे कैसे मालूम?
मैं संयोग से गिलबो पहाड़ पर था और राजा को प्राणघातक जख्म में देखा।
शाऊल मृत्यु की कठिन वेदना में था और उसने मुझसे उसको मारने के लिए भीख माँगी – तो मैंने कर दिया।
अररर
तेरी महिमा हो, हे इस्राएल, तेरे अधिकार में झूठ मारा गया।
हे इस्राएल की बेटियों, शाऊल के लिए रोओ।
वह शक्तिशाली कैसे लड़ाई में गिर गया?
उसे मार डालो।
क्या...?
तूने खुद अपनी गवाही दी कि तूने प्रभु के अभिषिक्त को मारा।

हे प्रभु, तू मेरी यात्रा में मेरे साथ रहा है। कृपया अपने दासों को बोल। क्या मैं यहूदा के किसी एक नगर में जाऊँ?
हाँ, जा।
कहाँ?
हेब्रोन।
भविष्यवक्ता शमूएल ने पहले ही से इस्राएल का राजा होने के लिए तेरा अभिषेक किया है।
हम, यहूदा के लोग भी, प्रभु के सामने तुझे हमारा राजा होने के लिए तेरा अभिषेक करते हैं।
इस संदेश के साथ संदेशवाहकों को गिलादवाले याबेश के लोगों के पास भेजो।
शाऊल के प्रति दया दिखाकर उसे दफनाने के लिए प्रभु तुम्हें आशीष दे। अब तुम्हारा स्वामी शाऊल मर गया है और हेब्रोन में राजा होने के लिए मेरा अभिषेक किया गया है।
राजा शाऊल की मृत्यु के बाद, प्रधान सेनापति अब्नेर इस्राएल के सैनिकों का नियंत्रण करने लगा और शाऊल के पुत्र ईशबोशेत को सिंहासन पर बैठा दिया।
जल्द ही, वह और दाऊद का प्रधान सेनापति, योआब गिबोन के पोखरे के पास मिले।

II शमूएल 2:1-13

मैं कहता हूँ कि हिमारे हर सेना में से कुछ जवान लोग यहीं हमारे सामने आपस में लड़ें।
मैं सहमत हूँ -- उन्हें ऐसा करने दो।
अतः शाऊल के घराने से 12 जवान और दाऊद की सेना से 12 जवानों ने एक दूसरे का सामना कयिा।
.....और हर वयक्त मिर गया।
यह युद्ध घोर और भयंकर रूप से सेनापत अब्नेर की अगुवाई वाले शाऊल के घराने और सेनापत योआब की अगुवाई वाले दाऊद के घराने के मध्य शुरू हुआ।

II शमूएल 2:18-23

II शमूएल 2:24-32

इस्राएल में शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के मध्य युद्ध दो साल तक चला। इस अंतराल दाऊद का राज्य प्रबल होता गया और उसका घराना बढ़ने लगा जैसे जैसे उसकी पत्नियों ने कई बच्चों को जन्म दिया।
तुम्हें एक और बेटा हुआ है, हे मेरे प्रभु।
उसका नाम अदोनिय्याह होगा -- प्रभु मेरा परमेश्वर है।
परन्तु शाऊल का घराना निर्बल होता गया खासकर इस्राएल का राजा और उसके सेनापति के बीच मतभेद होने के कारण।
अब्नेर -- तू मेरे पिता की एक रखैल के साथ रहा!
मैं तेरे प्रति वफादार रहा -- अब तू मुझ पर अपराध के लिए आरोप लगाता है!
आज मैं दाऊद के पास जाता हूँ कि सेना और इस्राएल के घराने को उसके खिलाफ कर दूँ।
हेब्रोन में दाऊद के पास संदेशवाहकों को भेजो। मेरे साथ एक सहमति करने के लिए उसे बोलो और मैं पूरे इस्राएल को उसे दे दूँगा।
अब - जल्दी जा!

II शमूएल 3:1-12

दाऊद ने अपनी पत्नी, शाऊल की बेटी मीकल को वापस करने की माँग की।
उसे विवाह में पाने के लिए उसने दो सौ पलिश्तियों को मारा और वह उसे वापस चाहता है।
बहुत अच्छा! क्या वह उसके पति से लेकर दाऊद को दी गई थी -- ऐसा नहीं कि उसके पास पहले पर्याप्त पत्नियाँ नहीं थी।
कुछ समय के लिए क्या तुमने नहीं चाहा कि दाऊद इस्राएल का राजा बने।
प्रभु ने अपने लोगों को पलिश्तियों और हमारे सभी शत्रुओं के हाथों से छुड़ाने के लिए पहले ही वायदा किया था।
दाऊद हमारा राजा होगा - हम राज्य को एक करने और युद्ध को समाप्त करने के लिए तैयार हैं।
हेब्रोन में उसके पास जाओ।
मेरे दासों ने यह पर्व तेरे लिए तैयार किया है, अब्नेर। तू एक शान्ति का मनुष्य है और अंततः हमारा राज्य एक हो जाएगा -- और शान्ति में रहेगा।
मेरे प्रभु राजा के लिए आज मैं समस्त इस्राएल को इकट्ठा करने जाता हूँ।
सेनापति योआब, इस्राएली सेना का अधिपति अब्नेर, इस्राएल की ओर वापस जाते हुए अभी राजा के महल से निकल गया।
क्या? मैं और मेरे जवानों ने अमालेकियों को दुबारा लूटा और लूट के माल के साथ लौटे। अब्नेर अच्छा नहीं हो सकता।
मेरे घोड़े की लगाम ले लो!

तूने क्या किया है? अब्नेर यहाँ हमारी सेना का आना जाना और हमारी सामर्थ का भेद लेने आया था। तुम धोखा दिए गए थे!
उसने मुझे धोखा नहीं दिया है। इस्राएल के पुरनिये इकट्ठा होने को तैयार हैं। वे मुझे समस्त इस्राएल के ऊपर राजा बनाने के लिए तैयार हैं।
अब्नेर ज़्यादा दूर नहीं गया होगा। अपने साथ पुरुषों को लो और उसको यहाँ वापस आने को बोलो, राजा को उसके साथ अतिरिक्त कार्य है।
तुरन्त
योआब
अब्नेर
मेरे साथ यहाँ प्रवेश करो, राज्य को इकट्ठा करने से पहले राजा के पास एक अंतिम निर्देश है।
वहाँ -- मेरे भाई असाहेल की मृत्यु के लिए। मैंने उसे माँफ नहीं किया है -- और तुझको भी नहीं करूँगा।
दाऊद -- योआब और उसके भाई ने अब्नेर की हत्या कर दी है।
परन्तु अब्नेर तो शान्ति कार्य के लिए इस्राएल के पुरनियों के पास लौट रहा था।
योआब ने उसे फुसलाकर लालच दिया। अब्नेर अब फाटक के भीतर अपने खून में लथपथ पड़ा है। वह अब नहीं रहा।

समस्त इस्राएल सुनो! राजा दाऊद, मैं अब्नेर के खून के विषय सदा निर्दोष हूँ।
परन्तु योआब के घराने से कोई न कोई सदा कोढ़ी, या कोई बैसाखी लगानेवाला या कोई तलवार द्वारा गिरनेवाला हो।
अब्नेर यहाँ शान्तपूर्व आया था परन्तु वह हत्यारों के द्वारा धोखे से मारा गया।
'सभी अपने वस्त्र फाड़ो, कमर में टाट बाँधो - और अब्नेर के आगे आगे शोक में चलो।'
हे अब्नेर, क्या तुझे इस प्रकार मरना चाहिए था?
न तो तेरे हाथ बाँधे गए और न तेरे पाँवों में बेड़ियाँ डाली गयी।
तू ऐसे गिरा जैसे कोई कुटिल मनुष्यों के सामने गिरता है।
दाऊद एक नेता है जिस पर हम भरोसा रख सकते हैं।
हाँ, एक सच्चा चरवाहा जो अपनी प्रजा इस्राएल की देखभाल करता है।
हे प्रभु राजा, तूने आज कुछ भी नहीं खाया है। तेरे लिए एक मेज तैयार की गयी है।
साँझ होने से पहले न मैं खाऊँगा। इस निर्दोष मनुष्य की हत्या के दुःख में मैं प्रभु के सम्मुख उपवास करता हूँ।
परमेश्वर योआब से इस बुरे कार्य का बदला ले।
जैसे दाऊद हेब्रोन में शोक कर रहा था एक और घृणित कार्य हो रहा था -- राजा ईशबोशेत का सिर उसके ही बिस्तर पर काट दिया गया।
और दाऊद ने हत्यारे को मार डाला और उसके शरीर को दिखाने के लिए प्रदर्शित किया।

हम तो तेरे अपने मांस और लहू हैं - तुम्हें हमारे ऊपर राज्य करना चाहिए।
भूतकाल में तूने इस्राएल को उसकी सेना की लड़ाई में अगुवाई दी और परमेश्वर ने तुझसे कहा है कि इस्राएल का चरवाहा होगा।
आओ और हम पर राज्य करो।
दाऊद ने यहूदा पर साढ़े सात साल तक राज्य किया और अब पूरे इस्राएल का राजा है।
मुझे यरूशलेम के यबूसियों का नगर चाहिए -- वहाँ मैं अपना सिंहासन स्थापित करूँगा।
यबूसियों ने सन्देश भेजा कि तू कभी भी यहाँ प्रवेश न कर पाएगा -- यहाँ तक कि अंधे और लंगड़े भी तुझे पीछे हटा देंगे।
अतः दाऊद ने उस नगर को नाले से चढ़कर ले लिया।
सोर के राजा हीराम ने सन्देश भेजा कि वह अपने राजा प्रभु के लिए भवन बनाने में सहायता करने के लिए देवदारु की लकड़ी, बढ़ाई और राजमिस्त्री भेजेगा।
राजा हीराम को यह सन्देश वापस भेजो कि मैं सम्मानित हूँ और मेरे और मेरे घराने के प्रति उसकी दया के लिए मैं उसे बदला चुका दूँगा।
दाऊद जानता था प्रभु ने उसे राजा बनाकर उसे आशीषित किया था।
और यरूशलेम में उसकी बहुत सारी पत्नियाँ और रखेलियाँ हुईं -- उसके और ज़्यादा पुत्र और पुत्रियाँ उत्पन्न हुए।

II शमूएल 5:17 - 25

राजा प्रसन्न हुआ; वाचा का संदूक किर्यत्यारीम से यरूशलेम लाया गया। वह जानता था कि संदूक को अपने घर के अंदर रखने के कारण परमेश्वर उसे आशीष देगा।
परन्तु... वे इसे गाड़ी पर चढ़ाकर ले जा रहे थे। मूसा ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि यह कोहत के याजकों द्वारा खम्बों के बीच रखकर ले जाना था।
आईई!!!!
उसने परमेश्वर के संदूक को छू लिया है!
दाऊद क्रोधित हुआ क्योंकि परमेश्वर का क्रोध याजकों के विरुद्ध भड़का था।
और उस दिन..... दाऊद परमेश्वर से डर गया।
अतः वाचा का संदूक यरूशलेम को नहीं परन्तु पास के एक घर जो ओबेदेदोम नामक मनुष्य का था ले जाया गया।

II शमूएल 6:1-9

अब प्रभु ने वाचा के कारण ओबेदेदोम के घराने को आशीष दी, तो दाऊद वाचा के संदूक को यरूशलेम ले जाने के लिए चला गया।
परन्तु इस बार उसने मूसा के निर्देश अनुसार संदूक को उठाने के लिए याजकों को साथ लाया। और बड़े आनन्द के साथ दाऊद संदूक को नगर में लाया।
देखो, राजा ही प्रभु के सामने उत्सव मना रहा है।
अपने परमेश्वर को होमबलि चढ़ाने के अलावा, राजा ने अपने लोगों को रोटी के टुकड़े, किशमिश और खजुर की टिकियि देकर आशीषति करना चाहा।
राजा सच में परमेश्वर के हृदय का मनुष्य है।
परमेश्वर ने राजा को न्याय और उदारता से सम्पन्न कयिा है। राजा दाऊद जीवति रहे!
परन्तु जब राजा घर लौटा तो उसे उसकी पत्नी मीकल से वही भव्य स्वागत नहीं मलिा।
आहा समस्त इस्राएल के राजा ने अपने आपको आज कैसे बदल लयिा! अपने कर्मचारियों की दासियों के सामने उघाड़े हुए नाचने लगा जैसे नकिम्मा मनुष्य करता है।
मैं प्रभु के सम्मुख नाचूँगा।
परमेश्वर ने तेरे पति या उसके घराने के कसिी और के बदले मुझे चुना। मैं और भी तुच्छ बनूँगा और जनि दासियों की तू चर्चा करती है वे ही मेरा सम्मान करेंगी।
और मीकल, राजा की पत्नी, के मरने के दनि तक कोई सन्तान नहीं हुई।

II शमूएल 6

इसके बाद राजा -- नातान नामक एक भविष्यवक्ता से मिला।
यह मेरे लिए उचति नहीं कि मैं राजभवन में रहूँ जबकि प्रभु का संदूक एक तम्बू में पड़ा है।
जो कुछ भी तेरे मन में है कर, प्रभु तेरे साथ है।
'मेरे दास दाऊद को बोलो -- मेरे भवन को बनानेवाला क्या तू ही है? जिस दिन मैं इस्राएलियों को मिस्र से निकाल लाया उस दिन से लेकर आज तक मैं कभी घर में नहीं रहा।'
"परमेश्वर यहोवा की यह वाणी है, मैं तेरे नाम को पृथ्वी पर के बड़े बड़े लोगों के नामों के समान महान करूँगा।"
प्रभु स्वयं तेरे लिए एक घराने को स्थिर करेगा और तुझे सफल करने के लिए तेरे वंश को खड़ा करेगा
तेरा घराना और तेरा राज्य सदैव के लिए बना रहेगा और तेरा सिंहासन सदा के लिए स्थिर रहेगा।
हे प्रभु, मैं कौन हूँ कि तू मुझे इस स्थान तक ले आया?
तू कितना महान है -- तेरे जैसा कोई नहीं है।
तेरा वचन सच और विश्वासयोग्य है।
अब इस घराने को आशीष देने के लिए प्रसन्न हो...... और तेरा दास सदा के लिए आशीषित होगा।

II शमूएल 7

परमेश्वर दाऊद के संग रहा और उसे उसके शत्रुओं के ऊपर जयवंत किया – पलिश्तियों, अरामियों, मोआबियों ,एदोम और अम्मोनियों।
वह जहाँ भी गया परमेश्वर ने उसे सफल बनाया।
जैसे दाऊद ने इस्राएल पर राज्य किया उसने वही किया जो उचित, न्याय और सही था। और उसने सब लोगों का बड़ा प्रेम पाया क्योंकि परमेश्वर उसके संग था।
सादोक और अहीमेलेक याजक थे।
योआब सेनापति था।
यहोशापात इतिहास का लिखनेवाला और सरायाह उसका मंत्री था।
बनायाह पलेतियों का प्रधान था।
और दाऊद के पुत्र राजकीय सलाहकार थे।
दाऊद ने शाऊल और योनातान के प्रति अपनी प्रतिज्ञा को स्मरण किया।
उसके पास योनातान का लंगड़ा पुत्र, मपीबोशेत, राजभवन में बुलाया गया और उसे उस भूमि को वापस कर दिया जो उसके घराने की थी।
मपीबोशेत राजा की मेज पर दाऊद के पुत्रों के समान खाया करता था।

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV